ताल से ताल मिली और खनक उठे डांडिया

राजस्थान पत्रिका मीडियामैक्स डांडिया महोत्सव में प्रशिक्षण लेती महिलाएं।

पत्रिका

141 रिपोर्टर

जयपुर, 22 सितम्बर। डांडिया के परंपरागत गीतों की धुन पर बजता ढोल और उस पर पैर थिरकाने को आतुर गुलाबी नगर के डांडिया प्रेमी।

गुजराती रंग से सराबोर यह नजारा छाया रहा राजस्थान पत्रिका मीडिया मैक्स की ओर से बुधवार को शुरू हुए पन्द्रह दिवसीय रजनीगंधा डांडिया महोत्व में। नवरात्र में शहर में डांडिया और गरबा की छटा बिखेरने के लिए इस अनूठे महोत्सव का आगाज प्रशिक्षण कार्यशाला के साथ किया गया।

पन्द्रह दिवसीय राजस्थान पत्रिका-रजनीगंधा डांडिया महोत्सव शुरू

मां दुर्गा और विघ्नविनाशक गणपति की अराधना के साथ सुखम गार्डन, 7, सिविल लाइन्स के अतिरिक्त जोधपुर, उदयपुर और कोटा में एक साथ शुरू हुए इस महोत्सव में डेढ़ हजार से भी अधिक लोगों ने पंजीकरण करवाया है। अकेले जयपुर में ही विभिन्न आयु वर्गों में छह सौ से भी अधिक लोगों ने पंजीकरण करवाया है।

गुजरात अहमदाबाद से आए गरबा-डांडिया विशेषज्ञ विहांग, पूजा और दर्शन शाह ने पहले दिन बेसिक स्टेप्स पर ही जोर दिया। उन्होंने लोगों को हाथ से तालियां बजाते हुए आगे-पीछे स्टेप्स लेने और पारंपरिक गीतों की धुन पर पैर थिरकाने व डांडिया लड़ाने का गहन अभ्यास करवाया। सुबह 10.30 बजे शुरू हुआ यह क्रम रात्रि 10.30 बजे तक चलता रहा।

संयोजक मोहित साण्ड ने बताया कि प्रशिक्षणार्थियों को नवरात्रि में होने वाले डाण्डिया महोत्सव में नि:शुल्क प्रवेश के साथ एक विशेष सर्किल में नृत्य करने का अवसर दिया जाएगा। दस सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षणार्थियों को पारंपरिक डाण्डिया ड्रेस भी दी जाएगी।